जालंधर, शुक्रवार 14 मार्च 2025

वंदे भारत 24

भारत के मन की बात

होली

@vandebharat24 vandebharat24 @vandebharat24news www.vandebharat24.com

50 घंटे में दूसरी बार दहला पाकिस्तान

अब मिलिट्री बेस पर आत्मघाती हमला; दिखीं कई लाशें

जालंधर(हर्ष शर्मा) : बलूचिस्तान में जाफर एक्सप्रेस ट्रेन के हाईजैक होने के बाद पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में सेना के कैंप पर आत्मघाती हमला हुआ है। इस हमले में कई लोगों के मारे जाने की खबर है।

मिली जानकारी के अनुसार सुसाइड बॉम्बर ने आर्मी बेस के अंदर घुसकर खुद को उड़ा लिया जिसमें सैन्य शिविर का एक बड़ा हिस्सा नष्ट हो गया। ये हमला दक्षिण वजीरिस्तान से सटे टैंक जिले के जंडोला तहसील में पाकिस्तानी सेना के कैंप हुआ है।

पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक, तहरीक तालिबान पाकिस्तान के आतंकवादी ने टैंक के जंडोला में फ्रंटियर कोर फोर्ट पर हमला किया, जिसकी शुरुआत गेट पर आत्मघाती बम विस्फोट से हुई, जिसके बाद भारी गोलीबारी हुई। सुरक्षा बलों ने सफलतापूर्वक हमले को विफल कर दिया, घुसपैठ को रोका और सभी 10 टीटीपी हमलावरों को मार गिराया है।

बलूच विद्रोहियों ने जाधव एक्सप्रेस को किया हाईजैक

11 मार्च को जाफर एक्सप्रेस ट्रेन पाकिस्तान के क्वेटा शहर से सुबह 9 बजे पेशावर के लिए रवाना हुई थी। जैसे ही ट्रेन बोलान के मस्काफ इलाके में पहुंची और यहां से ये 8 नंबर की टनल को क्रॉस करने के लिए धीमी रफ्तार में आगे बढ़ी तभी ट्रैक पर जोरदार धमाका हुआ। विद्रोहियों ने ट्रेन पर हमला कर दिया। क्वेटा ने ट्रेन पर गोलीबारी की और उसके बाद जाफर एक्सप्रेस को हाईजैक कर लिया। 9 कोच वाली इस ट्रेन में 500 से ज्यादा यात्री और कर्मचारी सवार थे।

BLA और PAK सेना के अलग-अलग दावे : पाकिस्तानी सेना ने दावा किया था कि 24 घंटे से ज्यादा चले ऑपरेशन में बलूच लिबरेशन आर्मी के 33 विद्रोहियों को पाक सेना ने मार गिराया है और सभी 212 बंधकों को रिहा करा लिया गया है, इनमें महिलाएं, बूढ़ें और बच्चे शामिल थे। पाकिस्तानी सेना के दावों को झुठलाते हुए बलूच लिबरेशन आर्मी ने दावा किया है कि अभी भी उनके कब्जे में 150 से ज्यादा बंधक हैं।

बीएलए के कब्जे में कई पाकिस्तानी सैन्यकर्मी बंधक

The Bolan News ने स्थानीय सूत्रों के हवाले के दावा किया है कि बीएलए ने अभी भी कई पाकिस्तानी सैन्य कर्मियों को बंधक बना रखा है।

जवाब में, पाकिस्तानी सेना ने बड़े पैमाने पर जमीनी और हवाई अभियान शुरू किया है, जिससे इलाके तक सभी पहुंच बंद हो गई है।

पंजाब पुलिस ने किडनैपर का किया ENCOUNTER, अपहरण किया बच्चा बचाया, 3 पुलिसकर्मी घायल

जालंधर(अंशु कपूर) : पटियाला पुलिस और अपरणकर्ताओं के बीच हुई फायरिंग के बाद पुलिस ने किडनैपर का एनकाउंटर कर दिया है और बच्चे को सही सलामत बचा लिया गया है। इस आपरेशन में तीन पुलिस मुलाजम गंभीर रूप से घायल हुए है। जिन्हें अस्पताल में दाखिल करवाया गया है।

जानकारी के अनुसार मुख्य आरोपी जसप्रीत सिंह की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई है। बच्चे को खन्ना से अगवा किया गया था। इस सारे ऑपरेशन को पंजाब सीएम भगवंत मान और डीजीपी गौरव यादव पल-पल की अपडेट ले रहे थे। वहीं, डीजीपी गौरव यादव ने

इस ऑपरेशन के बाद पूरी टीम को दस लाख इनाम देने की घोषणा की है। आरोपियों ने सीसीटीवी कैमरों से बचने के लिए सारे प्रयास किए है। वहीं, खन्ना की एसएसपी ज्योति यादव व वित्तमंत्री हरपाल सिंह चीमा बच्चों को परिजनों को सौंपने जा रहे हैं।

बता दें कि खन्ना में 6 वर्षीय बच्चे भवकीरत सिंह को बुधवार शाम अगवा कर लिया गया था। उसे मास्क पहने दो व्यक्ति बाइक पर उठाकर ले गए थे। जैसे ही यह मामला पुलिस के संज्ञान में आया, इसके बाद इसे तुरंत मुख्यमंत्री भगवंत मान और डीजीपी गौरव यादव के ध्यान में लाया गया। इसके बाद पुलिस ने तीन जिलों की पुलिस को अलर्ट पर रखा गया। रात दो बजे तक मलेरकोटला पुलिस ने बच्चों को अगवा करने वाले दो लोगों को ट्रेस कर लिया। इसके बाद दो आरोपियों को काबू कर लिया। लेकिन आरोपियों के पास बच्चा नहीं था, जिससे पुलिस की चिंता और बढ़ गई। इस दौरान आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि बच्चा जसप्रीत सिंह के साथ था। फिर पुलिस आरोपियों के साथ पूरे इलाके में पड़ताल में जुटी हुई थी। उनकी योजना थी कि वह परिवार से बच्चे को छोड़ने के बदले एक करोड़ लेंगे। वहीं, अगर पकड़े जाएंगे तो उससे पहले ही बच्चे का खत्म कर देंगे। जिससे पुलिस की चिंता और बढ़ गई। इसके बाद पटियाला पुलिस ने आज शाम आरोपी को स्कार्पियो कार समेत घेर लिया। जब पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया, तो उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जिसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में आरोपी पर फायरिंग की। कड़ी मशक्कत के बाद बच्चे को बचा लिया गया। लेकिन इस पूरी घटना में तीन पुलिस कर्मी जख्मी हो गए।

चंडीगढ़ में फिजूल पानी बहाने वालों की खैर नहीं, होली से पहले नगर निगम ने कर ली बड़ी तैयारी

जालंधर (हर्ष शर्मा) : चंडीगढ़ नगर निगम ने इस गर्मी में पीने के पानी के संरक्षण के लिए एक ठोस योजना तैयार की है और पानी की बर्बादी करने वाले किसी भी नागरिक या संस्था पर भारी जुर्माना लगाने का निर्णय लिया है।

इनके खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई

नगर निगम आयुक्त श्री अमित कुमार, आईएएस ने जानकारी देते हुए बताया कि पानी के संरक्षण को लेकर सख्त कदम उठाए जाएंगे। जो लोग पानी सप्लाई के दौरान लॉन की सिंचाई, वाहनों और आंगन की धुलाई, ओवरहेड या अंडरग्राउंड टैंक से पानी का ओवरफ्लो, वाटर मीटर चेंबर से पानी का रिसाव, नल की अनुपस्थिति के कारण पानी की बर्बादी, पाइप लाइन में लीकेज, कूलर से पानी की रिसाव और पानी सप्लाई लाइन पर बूस्टर पंप के सीधे उपयोग जैसी गतिविधियों में लिप्त पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नियमों का उल्लंघन करनेवालों के काटे जाएंगे कनेक्शन

आयुक्त ने यह भी कहा कि बार-बार उल्लंघन करने वालों का जल कनेक्शन बिना किसी पूर्व सूचना के निलंबित कर दिया जाएगा और उन पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा। नागरिकों को इस नोटिस के जारी होने के 24 घंटे के भीतर सभी दोषों/खामियों को ठीक करने की सलाह दी गई है। ऐसा न करने पर संबंधित परिसर की जल आपूर्ति बंद कर दी जाएगी और जल आपूर्ति उपविधियों के उल्लंघन पर ?5788/- का जुर्माना लगाया जाएगा, जिसे नियमित जल आपूर्ति बिल के माध्यम से वसूला जाएगा। आयुक्त ने सिटी ब्यूटीफुल के नागरिकों से अपील की है कि वे पानी की बर्बादी से बचें और इस बहुमूल्य संसाधन के संरक्षण में निगम का सहयोग करें।

जल प्रदूषित करने पर देना होगा जुर्माना

इससे कुछ दिन पहले खबर आई थी कि पंजाब में विभिन्न नदियों, नहरों आदि के जल को प्रदूषित करने पर अब जेल की हवा नहीं खानी पड़ेगी बल्कि सरकार ऐसे लोगों से जुर्माना वसूल करेगी। यह जुर्माना पांच हजार से पंद्रह लाख रुपये तक हो सकता है।

पंजाब सरकार की बड़ी कार्रवाई, अमृतसर में नशा तस्कर का गिराया गया घर, भगोड़ा किया गया घोषित

जालंधर (हर्ष शर्मा) : नशे के खिलाफ पंजाब सरकार का बुलडोजर जमकर गरज रहा है। अब अमृतसर में एक नशा तस्कर के खिलाफ कार्रवाई की गई है। गुज्जरपुरा में नशा तस्कर अजय कुमार उर्फ बिल्ली का घर गिराया गया है।

नशा तस्कर अजय कुमार की मां परमजीत कौर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि घर बनाने के लिए पैसे उनके पति की रिटायरमेंट पर मिले थे। उन्होंने कहा, मेरा बेटा कई सालों से इस घर में नहीं रहता। मेरा उससे कोई संबंध नहीं है, फिर भी पुलिस ने मेरा घर तोड़ दिया। मैंने प्रशासन से बहुत विनती की, लेकिन किसी ने मेरी नहीं सुनी। जानकारी देते हुए पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने कहा कि अजय के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत 5 केस दर्ज हैं। वह फिलहाल जमानत पर बाहर है। कोर्ट ने उसे भगोड़ा घोषित किया हुआ है। गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि यह कार्रवाई नगर निगम के आदेश पर की गई। पुलिस को नशा तस्कर की तलाश है। पंजाब सरकार और पुलिस ने साफ कर दिया है कि नशा तस्करों को बख्शा नहीं जाएगा। अगर वे नशा तस्करी नहीं छोड़ते, तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि पंजाब में नशा तस्करों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जा रहा है। प्रशासन लगातार ऐसे अपराधियों की संपत्तियों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है।

मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन को बड़ा झटका, गृह मंत्रालय ने दी मुकदमा चलाने की अनुमति

जालंधर (अंशु कपूर) : दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार के पूर्व मंत्रियों मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन को एक बड़ा झटका लगा है। गृह मंत्रालय ने दोनों के खिलाफ भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत केस चलाने की अनुमति दे दी है। अब दोनों पूर्व मंत्रियों के खिलाफ मुकदमा चलाया जाएगा।

केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से जारी एक पत्र में यह स्वीकृति दी गई है। दो अलग-अलग पत्रों में से एक में पूर्व पीडब्ल्यूडी मंत्री सत्येंद्र जैन और पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया पर मुकदमा चलाने की स्वीकृति दे दी है। इसमें दोनों के खिलाफ भ्रष्टाचार अधिनियम-1988 की धारा 17- के तहत मुकदमा चलाने की स्वीकृति दे दी है। अब दोनों ही पूर्व मंत्रियों के कार्यकाल में हुए भ्रष्टाचार की जांच की जाएगी। इसके लिए मुकदमा चलाने की अनुमति गृह मंत्रालय ने दे दी है।

गृह मंत्रालय द्वारा दिल्ली के एलजी प्रमुख सचिव के लिए जारी किए पत्र में गृह मंत्रालय ने यह स्वीकृति दी है। पत्र में गृह मंत्रालय के अवर सचिव की तरफ से जारी किया गया है। पत्र में बताया गया है कि दिल्ली की पूर्व आम आदमी पार्टी सरकार में पीडब्ल्यूडी मंत्री रहे सत्येंद्र जैन और शिक्षा मंत्री रहे मनीष सिसोदिया के खिलाफ दिल्ली के सतर्कता निदेशालय विभाग की तरफ से मुकदमा चलाने की स्वीकृति मांगी गई थी, जो स्वीकार कर ली गई और स्वीकृति दे दी गई है। इस पत्र में सतर्कता निदेशालय विभाग को भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत मुकदमा चलाने की अनुमति मिल गई है।

गिरेबान पकड़ा, मुक्के मारे, फिर दिया धक्का... मोहाली में पार्किंग विवाद में साइंटिस्ट का मर्डर

जालंधर (हर्ष शर्मा) : इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च मोहाली में कार्यरत एक वैज्ञानिक की पार्किंग को लेकर हुए विवाद के बाद मौत हो गई है। मृतक वैज्ञानिक की पहचान अभिषेक निवासी सेक्टर 66 मोहाली के रूप में हुई है।

मृतक पिछले काफी समय से बीमार चल रहा था। उसकी दोनों किडनियों में परेशानी थी। मोहाली के फोर्टिस अस्पताल से उसका इलाज चल रहा था। मंगलवार देर शाम उसके पड़ोसी एक युवक के साथ गाड़ी की पार्किंग को लेकर मृतक का विवाद हो गया था। इस विवाद के बाद हाथापाई होने की वजह से अभिषेक को धक्का लग गया। जिस कारण वह जमीन पर गिर गया।

इलाज के दौरान मौत : मौके पर मौजूद लोगों ने उसे तुरंत इलाज के लिए फोर्टिस अस्पताल भेजा। जहां पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में फेज-11 थाना प्रभारी गगनदीप ने बताया कि फोर्टिस अस्पताल से इस संबंध में उनके पास सूचना आई है। लेकिन परिवार की तरफ से अभी तक कोई शिकायत नहीं दी गई है।

इस कारण अभी शव का पोस्टमॉर्टम भी नहीं हो सका है और न ही कोई पुलिस कार्रवाई की गई है। हालांकि सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मृतक का जीजा और रिश्तेदारी में एक भाई झारखंड रहते हैं। वह आज शाम तक मोहाली पहुंच जाएंगे। इसके बाद वे पुलिस में शिकायत देंगे।

सीसीटीवी कैमरे में क्या दिखा : सीसीटीवी कैमरे में कुछ स्थानीय निवासी दिखाई दे रहे हैं, जिनमें आरोपी मोंटी भी शामिल है। वह अभिषेक की बाइक के पास खड़ा है। अभिषेक दोपहिया वाहन के पास जाता है और वह उसे हटाना शुरू कर देता है। वीडियो में मोंटी काफी गुस्से में नजर आ रहा है।

इसके बाद बहस होती है और मोंटी अभिषेक को धक्का देकर जमीन पर गिरा देता है और फिर पीटना शुरू कर देता है। अभिषेक का परिवार बीच-बचाव करता है और मोंटी को दूर खींचकर ले जाते हैं। हालांकि, आरोपी बीच में आए लोगों से भी काबू नहीं होता। वीडियो में बाद में अभिषेक को जमीन पर गिरे हुए देखा जाता है। इस संबंध में आगे की कार्रवाई के लिए पुलिस अन्य सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

जालंधर में अमोनिया गैस लीक, मचा हड़कंप

जालंधर (अंशु कपूर) : पंजाब के जालंधर के मकसूदां थाना क्षेत्र में एक रिहायशी इलाके में बनी फैक्टरी से अमोनिया गैस लीक होने की घटना से हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि आनंद नगर में आइस फैक्टरी में गैस लीक की घटना हुई है। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए फैक्टरी की बिजली आपूर्ति बंद कर दी है। वहीं पुलिस व फायर विभाग भी मौके पर पहुंच गया है।

स्थानीय लोगों ने फैक्टरी को लेकर प्रशासन को कई बार शिकायतें देने के साथ हाल ही में विरोध भी किया था। इस फैक्टरी को बंद करवाने के लिए प्रशासन से अपील की थी, लेकिन प्रशासन ने कोई एक्शन नहीं लिया।

जानकारी के मुताबिक कुलदीप आइस

के नाम से फैक्टरी है। वीरवार को गैस के रिसाव को लेकर नोडल अफसर बलबीर सिंह को सूचना दी गई। इसके बाद दमकल विभाग के कर्मी मौके पर पहुंचे और गैस के रिसाव बंद करने का काम किया जा रहा है।

एसडीएम और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी मनविंदर सिंह हुंदल ने बताया हमें पहले भी इस फैक्टरी से वायु और जल प्रदूषण की शिकायतें मिली थीं। जानकारी के मुताबिक यहां टेस्टिंग के दौरान गैस लीक हुई। फिलहाल बिजली आपूर्ति रोक दी गई है।

श्रम विभाग के डिप्टी डायरेक्टर ने कहा कि फैक्टरी से अमोनिया गैस का रिसाव हुआ है। हमने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए फैक्टरी की बिजली काट दी है। अगले 2-3 घंटों में हालात काबू में आ जाएंगे। प्रशासन और राहत टीमें स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। स्थानीय लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

उधर, फैक्टरी मालिक का कहना है कि किसी तरह की गैस लीक नहीं हुई है। किसी ने अफवाह फैलाई है। दमकल विभाग की टीम मामले की जांच कर रही है।

आसपास के लोगों ने आरोप लगाया कि फैक्टरी मालिक का लाइसेंस भी एक्सपायर हो चुका है, लेकिन बावजूद इसके रिहायशी इलाके में फैक्टरी चलाई जा रही है। लोगों के मुताबिक फैक्टरी में अमोनिया गैस का रिसाव हुआ है। इलाका निवासियों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

पतालकोट एक्सप्रेस से जबरन उतारे गए पंजाब आने वाले 18 यात्री, बजरंग दल ने की थी शिकायत; मतांतरण से जुड़ा है मामला

जालंधर(अंशु कपूर) : पातालकोट एक्सप्रेस से पंजाब आने वाले 18 यात्रियों को राजकीय रेलवे पुलिस ने ट्रेन से जबरन उतरवा दिया। इसके बाद स्टेशन पर ही हड़कंप मच गया। पुलिस की इस कार्रवाई से हर कोई दंग रह गया। यह कार्रवाई बजरंग दल की शिकायत के बाद हुई। बजरंग दल ने अपनी शिकायत में कहा कि मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा से पंजाब के फिरोजपुर जाने वाले 18 लोगों का जबरन मतांतरण कराया जा रहा है। शिकायत के बाद पुलिस एक्शन में आ गई। 18 लोगों को पंजाब ले जाने का नेतृत्व 40 वर्षीय सहजनाथ कर रहा था।

यात्रियों को3 गंजबसौदा रेलवे स्टेशन पर उतारा

इसके बाद पुलिस ने गंजबसौदा रेलवे स्टेशन पर 11 लोगों को जबरन ट्रेन से उतरवाया। साथ ही 7 लोगों को बीना स्टेशन पर उतारा। यह कार्रवाई मतांतरण के संदेह में की गई है।

बताया गया कि सभी 18 लोगों को फिरोजपुर के एक चर्च के प्रार्थना सभा में शामिल होना था। इसलिए वे लोग ट्रेन से फिरोजपुर जा रहे थे। बजरंग दल के पदाधिकारियों ने यात्रियों की अगुवाई कर रहे सहजनाथ की तस्वीर के साथ पुलिस को मतांतरण की शिकायत की।

सूचना मिलते ही एसडीएम विजय राय और एसडीओपी मनोज मिश्रा भी मौके पर पहुंच गए। सभी 18 यात्रियों को ट्रेन से उतारा गया। ये यात्री एस-3 और एस-4 कोच में यात्रा कर रहे थे।

तलाशी में मिले ईसाई धर्म से जुड़ा साहित्य

जीआरपी एसआई बलवंत सिंह ने बताया कि बजरंग दल से जुड़े लाल सिंह खटीक की सूचना पर इन यात्रियों को ट्रेन से उतारा गया। जब इनके सामान की तलाशी ली गई तो ईसाई धर्म से जुड़ा साहित्य मिला। उतारे गए लोगों ने बताया कि वे चर्च घूमने जा रहे थे। वे वहां प्रार्थना सभा में शामिल होना चाहते थे। इससे पहले भी हमलोग कई बार वहां जा चुके हैं।

'मैं चोर हूं अपना अपराध स्वीकार करती हूं', परेड कराने वाले की जमानत याचिका खारिज, HC ने कहा- यह तालिबानी सजा

जालंधर(पवन कश्यप) : पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने लुधियाना में पांच लोग, जिनमें नाबालिग लड़कियां भी शामिल थीं, को बाज़ार में मैं चोर हूं, मैं अपना अपराध स्वीकार करता/करती हूं लिखे प्लेकार्ड के साथ परेड कराने के आरोपित परविंद्र सिंह की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी।

जस्टिस नमित कुमार ने कहा कि पीड़ितों के गले में कार्ड बोर्ड पर आपत्तिजनक सामग्री लिखकर टांग दिया, उन्हें खुलेआम बाजार में परेड कराई गई और फिर इस घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल किया गया, जिससे स्पष्ट होता है कि आरोपित व्यक्तियों का यह कृत्य किसी भी तरह से मानवता के दायरे में स्वीकार्य नहीं है, बल्कि यह तालिबानी सजा जैसा कृत्य है। उसने कानून को अपने हाथ में लिया।

यह गंभीर चिंता का विषय : कोर्ट ने यह भी कहा कि इस घटना से पीड़ितों की सामाजिक छवि प्रभावित हो सकती है, जिनमें से कुछ नाबालिग लड़कियां भी हैं। इस तरह की घटना उनके भविष्य को भी नुकसान पहुंचा सकती है और समाज में उनकी प्रतिष्ठा को गिरा सकती है, जो कि एक गंभीर चिंता का विषय है।

फैक्ट्री मालिक ने शर्मनाक सजा दी

घटना से जुड़ा वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें तीन लड़कियों, एक बुजुर्ग महिला और एक लड़के के चेहरे पर कालिख लगी हुई थी और उनके गले में सफेद प्लेकार्ड लटकाए गए थे, जिन पर लिखा था मैं चोर हूं, मैं अपना अपराध स्वीकार करता/करती हूं।

पीड़ित लुधियाना की एक फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूर थे और उन पर कपड़े

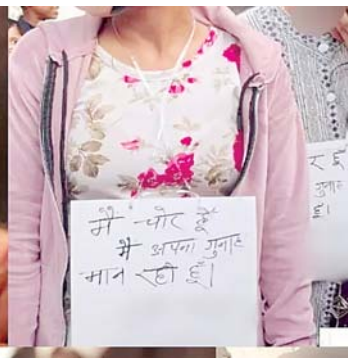

चोरी करने का आरोप लगाकर फैक्ट्री मालिक ने कथित रूप से इस तरह की शर्मनाक सजा दी। बाद में इस मामले में आरोपित व्यक्तियों, जिनमें फैक्ट्री मालिक भी शामिल था, के खिलाफ 22 जनवरी 2025 को भारतीय न्याय संहिता की धारा 127, 356, 74, 75 और 61(2) के तहत एफआईआर दर्ज की गई।

फैक्ट्री मालिक की ओर से पेश वकील ने दलील दी कि दो अन्य सह-आरोपितों को पहले ही अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, लुधियाना की अदालत से नियमित जमानत मिल चुकी है और वह जांच में शामिल होने और जांच एजेंसी का सहयोग करने के लिए तैयार हैं।

पीड़ितों में नाबालिग भी : सरकारी वकील और पीड़िता की ओर से पेश वकील ने इस जमानत याचिका का विरोध किया और पुलिस की स्टेटस रिपोर्ट के आधार पर बताया कि याचिकाकर्ता मुख्य आरोपित है और उसकी कस्टडी में पूछताछ जरूरी है, क्योंकि उसका मोबाइल फोन और फैक्ट्री में लगा डीवीआर अभी तक बरामद नहीं हुआ है।

सुनवाई के बाद, हाई कोर्ट ने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच के लिए आरोपित का मोबाइल फोन और फैक्ट्री में लगा डीवीआर बरामद किया जाना आवश्यक है।

कोर्ट ने यह भी उल्लेख किया कि जिला कोर्ट ने अन्य सह-आरोपितों को जमानत देते समय यह कहा था कि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि वायरल वीडियो किसके मोबाइल फोन से बनाया गया था और पीड़ितों के चेहरे पर कालिख किसने लगाई थी।

इसके अलावा जिला कोर्ट लुधियाना ने मुख्य आरोपित की अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए यह भी दर्ज किया था कि पीड़ितों में से एक नाबालिग है और पुलिस द्वारा पॉक्सो एक्ट की धाराएं जोड़ने के लिए एक आवेदन दिया गया है।

इस पूरे घटनाक्रम को देखते हुए हाईकोर्ट ने अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी, लेकिन याचिकाकर्ता को यह विकल्प दिया कि यदि वह 10 दिनों के भीतर ट्रायल कोर्ट के सामने आत्मसमर्पण करता है और नियमित जमानत के लिए आवेदन करता है, तो ट्रायल कोर्ट कानून के अनुसार उसकी याचिका पर जल्द से जल्द निर्णय लेगा।

रुपये का सिंबल हटाने पर भड़कीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, कहा- अलगाववाद को दे रहे बढ़ावा

जालंधर (पवन कश्यप) : रुपये को लेकर शुरू हुए विवाद पर अब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का भी बयान आ गया है। सीतारमण ने कहा है कि ये कदम अलगाववादी भावनाओं को बढ़ावा देता है। बता दें कि 2025-26 के लिए राज्य के बजट में स्टालिन सरकार ने देवनागरी लिपि में रुपये के लोगो को तमिल अक्षर से बदल दिया है।

भाजपा ने इस कदम की आलोचना करते हुए कहा कि पूर्व द्रमुक विधायक के पुत्र ने ही रुपये का लोगो बनाया है। शुक्रवार को पेश होने वाले बजट से एक दिन पहले मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इसका टीजर साझा किया है। इसमें रुपये के लोगो की जगह तमिल भाषा में रु दिख रहा है, जिसका मतलब रुबाई (तमिल में रुपया) है।

हिंदी थोपने का आरोप लगा रहे स्टालिन

यह पहली बार है कि किसी राज्य ने राष्ट्रीय मुद्रा के प्रतीक को अस्वीकार किया है और उसकी जगह अपनी क्षेत्रीय भाषा को महत्व दिया है। तमिलनाडु

सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति को खारिज करने के बाद इस मुद्दे पर जारी राजनीतिक विवाद के बीच यह कदम उठाया गया है।

मुख्यमंत्री स्टालिन केंद्र सरकार पर राज्य में हिंदी थोपने का प्रयास करने का आरोप लगा रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य हिंदी को बढ़ावा देना है।

राज्य सरकार के इस कदम से भाजपा नाराज है, लेकिन सत्तारूढ़ द्रमुक ने आश्चर्य जताया कि क्या कोई नियम इस पर रोक लगाता है।

भगदड़ के बाद रेलवे ने लिया सबक

होली पर नजर आई चाक चौबंद व्यवस्था

नई दिल्ली स्टेशन पर ऐसा है माहौल

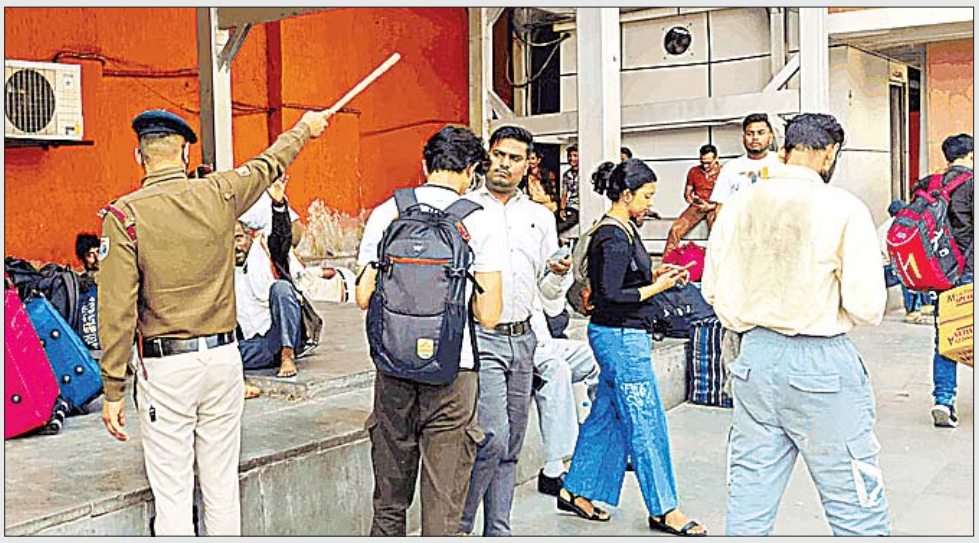

जालंधर (अंशु कपूर) : नई दिल्ली स्टेशन में फरवरी में हुई भगदड़ की घटना से सबक लेते हुए रेलवे प्रशासन ने स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा के लिए कई अहम उठाए हैं। अमर उजाला डिजिटल ने गुरुवार शाम नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर इसकी पड़ताल भी की। होली के त्योहार के चलते स्टेशन जरुर भीड़ जरुर थी, लेकिन प्लेटफार्म पर रेलवे का मैनेजमेंट पुख्ता नजर आया। रेलवे स्टेशन के सभी एंट्री और एग्जिट गेट पर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद दिखी। रेलवे प्रशासन ने स्टेशन परिसर के चारों ओर बेरिकेड्स लगाकर सुरक्षा के खास इंतजाम थे। साथ ही रेलवे पुलिस बल की टुकड़ी भी मुस्तैद दिखाई दी। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ट्रेन के समय और प्लेटफार्म नंबरों की जानकारी देने के लिए स्टेशन के बाहर विशेष बोर्ड लगाए गए हैं, ताकि यात्री सही समय पर अपने प्लेटफार्म तक आसानी से पहुंच सकें। हालांकि स्टेशन के भीतर प्रवेश के लिए लंबी कतार होने के चलते यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। इसमें सबसे ज्यादा परेशानी बच्चों, बुजुर्गों व महिलाओं को हुई। कुछ यात्री अव्यवस्था की शिकायत करते भी नजर आए। लेकिन प्रशासन हालात पर काबू पाया हुआ था।

होली के त्योहार के देखते हुए यात्रियों को रेलवे फुट ओवर ब्रिज (आरएफओबी) व सीढ़ियों पर ना तो रुकने दिया जा रहा है और न ही बैठने दिया जा रहा है। सभी होली स्पेशल ट्रेनों को प्लेटफार्म नंबर-16 से चलाया जा रहा था। रेलवे ने इस प्लेटफार्म को पूरी तरह से होली स्पेशल ट्रेनों के लिए डेडिकेट कर रखा है। होली स्पेशल ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों को प्लेटफार्म नंबर 16 पर पहुंचने के बाद उन्हें पैसेंजर होल्डिंग एरिया में खड़ा कर दिया जाता है। यहां से उन्हें ट्रेन आने पर ही आगे जाने दिया जाता है।

इस प्लेटफार्म पर जब तक ट्रेन प्लेटफार्म पर नहीं आती है, तब तक प्लेटफार्म के किनारों से 10 फीट दूर रस्सी बांधकर यात्रियों को रोका जा रहा है। ट्रेन के रुकने के बाद ही यात्रियों को ट्रेन के अंदर जाने दिया जा रहा है। इन होली स्पेशल ट्रेनों में यात्रियों को बैठाने के लिए रेलवे कर्मचारी, आरपीएफ और जीआरपी कर्मी, रेल सेवक की ड्यूटी लगाई गई थी। ये सभी इन सभी होली स्पेशल ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों को कतार में खड़े कर ट्रेनों में बैठाते हुए नजर आए। इसके अलावा अन्य ट्रेनों के जनरल ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों को भी इसी तरह से ट्रेन में बैठाया जा रहा था। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि, नई दिल्ली स्टेशन का 16 नंबर प्लेटफार्म मेट्रो स्टेशन के नजदीक है। वहीं जो यात्री बसों के जरिए भी स्टेशन आना चाहते है उनके लिए भी आसान है। इसलिए 16 नंबर से होली स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है।

हालांकि, नई दिल्ली रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुरक्षा के लिए किए गए इंतजाम कहीं न कहीं यात्रियों के लिए परेशानी का सबब भी बन रहे है। रेल प्रशासन ने यात्रियों के लिए स्टेशन परिसर से प्लेटफार्म पर आने से पहले टिकट चेक कराने के लिए एक लाइन में खड़े होने की व्यवस्था की है। इससे यात्री नाराज भी नजर आए। अमर उजाला डिजिटल से चर्चा में कुछ यात्रियों ने कहा, सभी यात्रियों को इसी कतार के जरिए ही स्टेशन में एंट्री दी जा रही है। जबकि होली स्पेशल ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों को ही इन कतारो के जरिए प्लेटफार्म पर भेजा जाना चाहिए। अन्य यात्रियों के लिए यह व्यवस्था क्यों की गई है? जबकि कुछ यात्री रेलवे के नए नियम कंफर्म टिकट पर ही स्टेशन पर ही एंट्री से भी परेशान दिखाई दिए।

फुटओवर ब्रिज पर कड़ी निगरानी

सुरक्षाकर्मियों की ओर से रेलवे स्टेशन के सभी फुटओवर ब्रिज पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही थी। लोगों को एक जगह या फुटओवर ब्रिज पर खड़े होने से रोका जा रहा है। इसके अलावा रेलवे ने स्टेशन परिसर के पुल और पुल की सीढ़ियों पर यात्रियों के बैठने पर सख्त प्रतिबंध लगा दिया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई यात्री इस नियम का उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ उचित कानूनी कार्यवाही की जाएगी। स्टेशन परिसर में सुरक्षा के मद्देनजर पूरे क्षेत्र की निगरानी सीसीटीवी कैमरों से की जा रही है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन हर आवश्यक कदम उठा रहा है ताकि यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न हो।

स्टेशन में कुछ गेट से एंट्री तेज तो कुछ में लग रहा है वक्त

भगदड़ की घटना के बाद रेलवे प्रशासन ने नई दिल्ली स्टेशन में यात्रियों की एग्जिट और एंट्री के लिए कई गेट बनाए है। हालांकि अजमेरी गेट और पहाड़गंज के कुछ गेट से एंट्री बहुत ही आसानी से हो रही है। जबकि कुछ गेट से एंट्री के लिए यात्रियों को लाइन में लगाना पड़ रहा है। दरअसल, लाइन में खड़े होकर टिकट चेक कराने के बाद ही यात्रियों को स्टेशन भवन में प्रवेश करने दिया जाता है। इसके लिए आरक्षित और अनारक्षित टिकट धारकों के लिए अलग-अलग व्यवस्था है। इसके बाद उन्हें अपने सामान की जांच कराने के लिए अलग लाइन में खड़ा होना पड़ता है। यात्रियों को इन दोनों जांचों में 40 से 50 मिनट का समय लगता है।

अनारक्षित टिकटों के लिए बनाया गया अस्थाई टिकट घर

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 15 फरवरी को हुई भगदड़ से चिंतित रेलवे प्रशासन ने होली के मौके पर स्टेशन भवन में अनारक्षित टिकट बिक्री खिड़कियां अस्थायी रूप से बंद कर दी हैं। इनकी जगह स्टेशन परिसर में टेंट में अस्थायी रूप से 16 अनारक्षित टिकट बिक्री केंद्र बनाए गए हैं। इसके साथ ही यहां 11 टिकट वेंडिंग मशीनें भी लगाई गई हैं। वहीं, रेलवे प्रशासन ने होली तक नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म टिकट पर रोक लगा दी है। टिकट खिड़की से प्लेटफार्म टिकट की बिक्री बंद कर दी गई है, ऑनलाइन टिकट भी स्वीकार नहीं किए जा रहे हैं। केवल आरक्षित और अनारक्षित टिकट धारकों को ही प्रवेश की अनुमति दी गई है।

अस्थायी प्रतीक्षालय की व्यवस्था से यात्रियों को मिल रही राहत

होली के त्योहार के चलते रेलवे स्टेशन के बाहर यात्रियों की सुविधा के लिए अस्थायी प्रतीक्षालय बनाया गया है ताकि घर जाने वाले यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस प्रतीक्षालय में टिकट काउंटर और कियोस्क की व्यवस्था की गई है, जिससे यात्रियों को लंबी कतारों में खड़े होने की परेशानी से राहत मिली है। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ट्रेन के समय और प्लेटफार्म नंबरों की जानकारी देने के लिए विशेष बोर्ड लगाए गए हैं, ताकि यात्री सही समय पर अपने प्लेटफार्म तक आसानी से पहुंच सकें।

इसके अलावा, मोबाइल चार्जिंग के बोर्ड उपलब्ध कराए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रतीक्षालय के अंदर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिससे हर गतिविधि पर नजर रखी जा सके। यात्रियों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतीक्षालय में शौचालय, फूड स्टॉल और पीने के पानी के लिए टैंकर की भी व्यवस्था की गई है। सुरक्षा के मद्देनजर प्रतीक्षालय के अंदर और बाहर पुलिस बल तैनात किया गया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके और यात्रियों की यात्रा सुरक्षित और सुविधाजनक हो।

स्टेशन पर यात्रियों मिल रही ये सुविधाएं

उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय बताते है कि, होली के त्योहार को ध्यान में रखते हुए दिल्ली के रेलवे स्टेशन पर विशेष इंतजाम किए गए है। यात्रियों के रुकने के लिए अलग अलग पंडाल भी तैयार किए है।

यहां से गाड़ी का समय निकट आने पर उन्हें कतार के जरिए प्लेटफार्म पर ले जाया जा रहा है। रेलवे ने दिल्ली के सभी रेलवे स्टेशनों पर मिनी कंट्रोल रूम तैयार किया है। इसके साथ ही किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए मेडिकल टीम की भी तैनाती की गई है। यात्रियों को स्टेशनों पर बहुत ही सस्ते रेट पर गर्म खाना दिया जा रहा है। इसके लिए भी अलग से काउंटर लगाए गए है। इसके अलावा पीने के पानी के अलावा अतिरिक्ति शौचालय भी लगाए गए है। यात्रियों की भीड़ को देखते हुए बीते वर्ष के मुकाबले तीन गुना बड़ा पंडाल लगाया गया है। यात्रियों की मदद के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों और सुरक्षाकर्मियों को भी तैनात किया गया है। कुछ रैक को रिजर्व रखा गया है। इन का इस्तेमाल आवश्यकतानुसार किया जाएगा।

लुधियाना में अकाली नेता गिरफ्तार: पत्नी के साथ की मारपीट, गला दबाकर मारने की कोशिश, दो दिन के पुलिस रिमांड पर

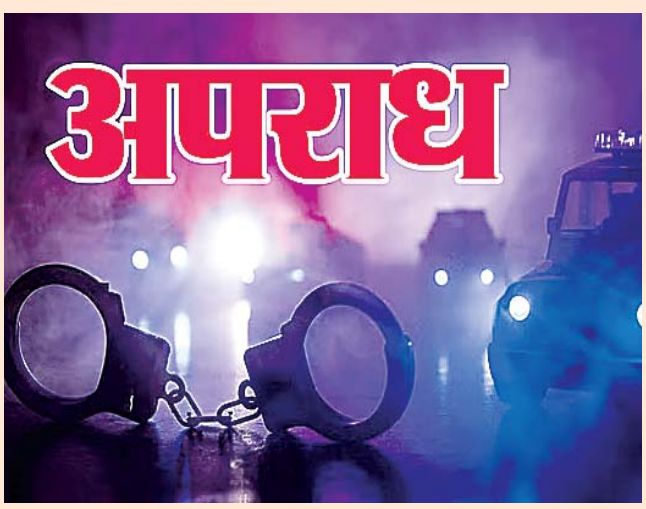

जालंधर (पवन कश्यप) : पत्नी के साथ मारपीट करने के मामले में नामजद किए गए महानगर के उद्योगपति और पूर्व युवा अकाली दल के नेता ऋषि बांडा को थाना डिवीजन आठ की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बांडा की पत्नी ने उसके साथ मारपीट करने के साथ-साथ गला दबाकर मारने की कोशिश का आरोप लगाया है। थाना डिवीजन आठ की पुलिस ने मामला दर्ज किया था। पुलिस ने बांडा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश किया, जहां से उसे दो दिन के रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ करने में जुटी है।

अपनी शिकायत में गीतांजलि ने कहा कि 3 मार्च को जब वह घर पर टीवी देख रही थी, तो उसके पति ने उसे अलमारी से पैसे लाने के लिए कहा। हालांकि, जब उसने थोड़ी देर की, तो बांडा ने कथित तौर पर अपना आपा खो दिया और उसे कई बार थप्पड़ मारे, चप्पल से पीटा और अलमारी पर उसका सिर पटकने से पहले उसका गला घोटने की भी कोशिश की। उसने दावा किया कि अगर घरेलू सहायकों ने हस्तक्षेप नहीं किया होता, तो वह शायद बच नहीं पाती। अगले दिन जब उसने अपने पति से छीना हुआ फोन लौटाने को कहा ताकि वह अपनी बेटी से बात कर सके, तो बांडा ने कथित तौर पर उसे फिर से चप्पल से पीटा, जिससे आंख समेत उसे कई चोटें आईं। 7 मार्च को वह अपने मायके चली गई और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। डिवीजन नंबर 8 पुलिस स्टेशन के एसएचओ इंस्पेक्टर दविंदर शर्मा ने पुष्टि की कि बांडा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। एफआईआर दर्ज होने के तुरंत बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया

पूर्व युवा अकाली नेता का विवादों से रहा है पुराना नाता : पूर्व युवा अकाली दल के नेता का विवादों के साथ पुराना नाता रहा है। 2012 में वह तब सुर्खियों में आया था जब उसने एक क्लब में पुलिस अधिकारी के साथ मारपीट की थी। वह नामजद हुआ था और बाद में पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। अब पत्नी के साथ मारपीट करने के मामले में नामजद हुआ है।

S.T COLLEGE OF NURSING & MEDICAL SCIENCES
Recognized by INC, New Delhi, Affiliated by BFUHS, Faridkot & PNRC, Mohali Approved by Govt. of Punjab.
COURSES OFFERED
ANM 2 Years Diploma
GNM 3 Years Diploma
B.Sc (Nursing) 4 Years Degree
D-Pharmacy (Ay.) 2 Years & 3 Months Diploma
10+1 & 10+2 (P.S.E.B)
V.P.O. Mehlanwali, Una Road, Hoshiarpur Pb.
Contact : +91-62841-11519, +91-99145-82525
www.stnursinginstitute.in

क्यों होली तक आपको घर पर नहीं करने चाहिए ये काम?

जालंधर (हर्ष शर्मा) : इस साल होली का त्यौहार 14 मार्च को मनाया जाने वाला है. वहीं, इससे 8 दिन पहले से ही होलाष्टक लग जाता है. इस साल की अगर बात करे तो होलाष्टक 7 से लेकर 14 मार्च तक रहने वाला है.

हमारे सनातन धर्म में इस दौरान कई शुभ कामों को करने से मना भी किया गया है. कहा जाता है जब आप होली तक इनमें से किसी काम को करते हैं तो आपको इन कामों के शुभ फल नहीं मिल पाते हैं. हमारे शास्त्रों में भी होली तक या फिर होलाष्टक के दौरान इन कामों को करने से मना किया गया है. तो चलिए इन कामों के बारे में जानते हैं जिन्हें आपको तक हर कीमत पर करने से बचना चाहिए.

शादी-विवाह - शास्त्रों के अनुसार आपको होलाष्टक के दौरान शादी-विवाह जैसे शुभ कामों को करने से बचना चाहिए. केवल यहीं नहीं, होलाष्टक के दौरान आपको कर्णवेध, मुंडन और बच्चों का नामकरण करने से भी बचना चाहिए.

शुभारंभ - शास्त्रों की अगर मानें तो आपको होलाष्टक के दौरान किसी तरह की नयी शुरुआत जैसे कि दुकान या फिर बिजनेस की शुरुआत करने से बचना चाहिए अगर आप नयी शुरुआत करने की सोच रहे हैं तो इसे होलाष्टक से पहले ही कर लेना चाहिए या फिर होली के बाद.

खरीददारी - होलाष्टक के दौरान आपको कभी भी कीमती चीजें जैसे कि सोने-चांदी के गहने खरीदने से बचना चाहिए. इस दौरान आपको घर के सजावट की चीजें और नए कपड़े भी खरीदने से बचना चाहिए.

निर्माण कार्य - होलाष्टक के दौरान आपो कभी भी घर का निर्माण और गृह प्रवेश जैसे कामों को करने से भी बचना चाहिए. केवल यहीं नहीं, होलाष्टक के दौरान आपको प्रॉपर्टी और गाड़ी खरीदने से भी बचना चाहिए.

यज्ञ और हवन - होलाष्टक के दौरान आपको अपने घर पर हवन और यज्ञ करने से परहेज करने से बचना चाहिए. जब आप होलाष्टक के दौरान पूजा पाठ करते हैं तो इससे आपको उचित परिणाम नहीं मिलते हैं.

आर्ट आफ लिविंग का होली उत्सव कल, दोआबा कालेज में पूजा सो होगी शुरुआत

जालंधर (अंशु कपूर) : आर्ट आफ लिविंग जालंधर की ओर से दोआबा कालेज में हर बार की तरह इस बार भी होली उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। सुबह आठ बजे गुरू पूजा और विष्णु होमा के साथ उत्सव की शुरूआत होगी।

सीमा मेहता होली के इस अवसर पर भजन गायन करेंगी। प्रिंदे एकेडमी से राजन सयाल और उनकी टीम भी परफार्म करेगी। इस मौके पर रंगों और फूलों की होली भी खेली जाएगी। होली उत्सव के लिए पास के जरिए एंट्री रखी गई है। उत्सव में आने वाले सभी लोगों के लिए लंगर की भी व्यवस्था रहेगी।

आर्ट आफ लिविंग संस्था की स्थापना गुरु श्री श्री रविशंकर जी ने की थी। ये एक एक गैर-लाभकारी, शैक्षिक और मानवतावादी संगठन है, 180 से अधिक देशों में मौजूद है। आयोजकों की ओर से डाक्टर प्रेम राणा, डाक्टर पियूश सूद, डाक्टर सोनीत अग्रवाल, ललित मित्तल, कैलाश मोहन चोपड़ा, पियूश त्रेहन, प्रिंसीपल डा. प्रदीप भंडारी, डा. सुरेश मागो, संदीप अग्रवाल, रोहित शर्मा, मुकेश भोला, विक्रम चोपड़ा, खबरिस्तान न्यूज नेटवर्क के चेयरमैन चंद्रमोहन अग्रवाल, मोंटी शर्मा, विकास मनन, दीपक शर्मा, बंटू सभ्रवाल, अनिल रत्रा, रविंदर शर्मा, राजेश शर्मा, सुनीत जैन, रुचि विज, हरजीत मल्होत्रा, आर्ट आफ लिविंग के डीटीसी विजय कुमार, पवन अरोड़ा, मनीष शर्मा, विशाल अवस्थी, अजय गोयल, अश्विनी कुमार, नृप जैन और नीरज राय कोहली मौजूद रहेंगे।

बीएसएफ ने मार गिराया पाकिस्तानी ड्रोन, तीन जगह मिली हेरोइन की खेप, फिरोजपुर में तस्कर गिरफ्तार

जालंधर(पवन कश्यप) : पंजाब के अमृतसर में सीमा पार से पाकिस्तानी तस्करों की ओर से ड्रोन के जरिये भेजी गई हेरोइन और हथियारों की खेप को बीएसएफ के जवानों ने बुधवार देर रात रिकवर किया है। बरामद हुई खेप में छह पैकेट हेरोइन, दो पिस्तौल और दो स्मार्टफोन है। यह रिकवरी सीमा के साथ लगते गांव हरदो रतन से हुई है।

जानकारी मुताबिक बीएसएफ के खुफिया विंग को सूचना मिली थी कि पाकिस्तानी तस्करों की ओर से सीमा पार हेरोइन और हथियार भेजने की कोशिश की जा रही है। इसी के तहत बीएसएफ के जवानों ने निगरानी बढ़ा दी और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी। बुधवार देर रात को जवानों ने हरदो रतन गांव के पास कुछ हरकत होती देखी। इसके बाद पास जाकर देखा तो एक ड्रोन दिखाई दिया। जिसे जवानों ने तुरंत गोली से निशाना बनाया और वह खेतों में जा गिरा।

इसके बाद खेतों में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। तलाशी के दौरान वहां से छह पैकेट बरामद हुए। जिसमें कुल

3.319 किलोग्राम हेरोइन थी। इसके अलावा दो 30 बोर की पिस्तौल और दो स्मार्टफोन भी बरामद किए। रिकवरी के बाद बीएसएफ की ओर से पुलिस को इस बारे सूचित कर दिया है। ताकि पता चल सके कि यह हेरोइन किन लोगों ने इस तरफ से उठाकर ले जानी थी। इसके अलावा बरामद हुए मोबाइल फोन की भी फारेंसिक जांच की जा रही है। ताकि उसका डाटा भी रिकवर हो सके।

पाकिस्तानी ड्रोन ने गिराई हेरोइन, उठाकर ले जा रहे तस्कर गिरफ्तार

इधर फिरोजपुर के ममदोट में साथ लगते बॉर्डर पर पाकिस्तानी ड्रोन ने भारतीय सीमा में गिराई हेरोइन की खेप उठाकर ले जा रहे एक तस्कर को बीएसएफ ने काबू किया है। तस्कर को स्थानीय पुलिस के हवाले किया है ताकि उसके नेटवर्क का पता चल सके। थाना ममदोट पुलिस ने वीरवार को आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बीएसएफ अधिकारियों के मुताबिक उनके खुफिया विंग को गुप्त सूचना मिली थी कि पाकिस्तानी ड्रोन ने बीएसएफ की बीओपी जल्लोके (माता रानी मंदिर) के पास खेतों में हेरोइन की खेप गिराई है। यह खेप किसी भारतीय तस्कर ने मंगवाई है। जैसे ही तस्कर कुलदीप सिंह वासी गांव वहेड़ी (ममदोट) उठाकर ले जा रहा था कि बीएसएफ की बटालियन 182 के जवानों ने उसे काबू कर लिया। ड्रोन ने आसमान से खेत में पांच पैकेट फेंके थे। ये पैकेट पीली टेप से लिपटे हुए थे। इसके साथ हरे रंग की एक चमकीली गेंद लगी हुई थी, ताकि पता चल सके कि खेप कहां गिरी पड़ी है। हेरोइन का वजन दो किलो 670 ग्राम था। बीएसएफ ने आरोपी को स्थानीय पुलिस के हवाले कर दिया है ताकि इसके नेटवर्क का पता लग सके। कुलदीप के पाकिस्तानी तस्करों से गहरे संबंध हैं।

इसी तरह, बीएसएफ को तरनतारन के सांकत्रा इलाके से पाकिस्तानी ड्रोन द्वारा फेंका हेरोइन का पैकेट मिला है, जो पीली टेप से लिपटा हुआ था। इसमें 532 ग्राम हेरोइन थी।

21 से 28 मार्च तक होगा पंजाब विधानसभा का बजट सत्र, जानें किस दिन आएगा बजट

जालंधर(अंशु कपूर) : पंजाब विधानसभा का बजट सत्र 21 से 28 मार्च तक होगा। पंजाब कैबिनेट ने तारीखों पर मुहर लगा दी है।

कैबिनेट की बैठक के बाद वित्तमंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बताया कि कैबिनेट की बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए हैं। इसमें एजुकेशन में सुधार तकनीकी शिक्षा के लिए 40 हुनर शिक्षा स्कूलों की स्थापना की जाएगी। 21 से 28 मार्च तक पंजाब का बजट सत्र बुलाया गया। 26 मार्च को विधानसभा में पंजाब सरकार अपना बजट पेश करेगी। इसके अलावा सरकारी कॉलेज के छात्रों के अंग्रेजी सीखने के लिए इंग्लिश फॉर वर्क कोर्स लागू करने के लिए हरी झंडी। छात्रों को तकनीकी प्रशिक्षण देने के लिए प्रदेश भर के 40 कौशल शिक्षा विद्यालय खोलने की मंजूरी भी दी गई है। रक्षा सेवा कल्याण विभाग की वर्ष 2022-2024 की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्टों को सहमति दी गई है।

भारत के इन स्थानों पर मनाई जाती है 'खास होली'

गुलाल और रंगों के त्योहार होली का नाम सुनते ही लोग उत्साह से भर जाते हैं। खाने से लेकर पहनने तक की तैयारी पहले से ही शुरू हो जाती है। रंगों का यह त्योहार देशभर में धूमधाम से मनाया जाता है। हालांकि, कई राज्यों में इस त्योहार को मनाने का तरीका बेहद अलग है। देश की कई ऐसी खूबसूरत जगहें हैं, जहां होली का पर्व आकर्षण का केंद्र होता है। ऐसे में होली पर देश की कुछ खास जगहों पर जा सकते हैं।

बनारस की मशहूर ठंडाई

होली बनारस में दो दिन तक मनाई जाती है। बात करें यहां के गंगा घाट की तो यहां केवल भारतीय ही नहीं बल्कि विदेशी पर्यटक भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते हैं। दश्वाशमेध, अस्सी, तुलसी घाट आदि पर अलग रौनक देखने को मिलती है। होली के दिन लोग घाट पर ठंडाई बनाते हैं और एक-दूसरे को पिलाते हैं। हालांकि, यह ठंडाई भांग की होती है। इसके अलावा भांग के लड्डू भी बनाए जाते हैं।

बनारस में सुबह से होली खेलनी शुरू हो जाती है व शाम होने से पहले तक खेलते रहते हैं। इस दिन घाट पर लजीज व्यंजन भी बनाए जाते हैं, जिसे सब मिलकर खाते हैं।

पुष्कर की कपड़ा फाड़ होली

पिछोला झील के किनारे बसा पुष्कर हमेशा विदेशियों का पसंदीदा शहर माना गया है। यहां होली का त्योहार मनाने हजारों लोग आते हैं और मुख्य चौक में एक बड़ी पार्टी करते हैं। यहां वराह घाट और ब्रह्म चौक पर मुख्य आयोजन किया जाता है जहां लोगों की भीड़ देखी जा सकती है।

होली के दिन लोगों की भीड़ डी.जे. पर जम कर डांस करती दिखाई देती है। यही नहीं, यहां कपड़ा फाड़ होली भी मनाई जाती है। दरअसल लोग एक-दूसरे को गुलाल लगाते हैं और इस दौरान एक-दूसरे के कपड़ों को फाड़ने की होड़ मचती है। यह सब कुछ न केवल भारतीय पर्यटकों बल्कि विदेशी पर्यटकों को भी खूब पसंद आता है।

उदयपुर में शाही अंदाज की होली

उदयपुर में शाही अंदाज से होली मनाई जाती है। दरअसल, उदयपुर में शाही तरीके से होलिका जलाकर होली का जश्न शुरू किया जाता है। होली के त्योहार पर सिटी पैलेस में शाही निवास से मानेक चौक तक जुलूस निकाला जाता है, जिसमें सजे-धजे घोड़े, हाथी, और ऊंट शामिल होते हैं। यही नहीं जुलूस के साथ बैंड-बाजा और राजधानी गीत-संगीत भी बजता रहता है। वहीं विदेशी पर्यटक सुबह चौक पर गुलाल लेकर खेलने के लिए एकत्र होते हैं।

आनंदपुर साहिब का होला मोहल्ला

पंजाबी तरीके से होली मनाना चाहते हैं तो आनंदपुर साहिब जाना सर्वोत्तम है। जिस तरह अन्य शहरों में होली की रौनक देखने को मिलती है, यहां का नजारा कुछ अलग होता है क्योंकि यहां होला मोहल्ला मनाया जाता है। इस अवसर पर तलवारों से करतब, मार्शल आर्ट्स, कुश्ती जैसे खेलों का प्रदर्शन किया जाता है।

बलदेव में देवर-भाभी की होली

मथुरा से आधे घंटे की दूरी पर स्थित गांव बलदेव की होली बेहद खास है। यहां होली के अगले दिन बलदेव में हुरंगा का आयोजन किया जाता है। यहां भाभी-देवर की अद्भुत होली खेली जाती है, जिसमें लोग बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते हैं। होली खेलने के लिए हल्दी, केसर और पीले रंग का इस्तेमाल किया जाता है। ब्रज में मनाई जाने वाली होली की तरह हुरंगा भी काफी मशहूर है।

बरसाना की लट्ठमार होली

होली की बात हो और मथुरा का नाम सबसे पहले याद न आए, यह तो हो ही नहीं सकता। होली का नाम लेते ही भगवान श्रीकृष्ण और मथुरा-वृंदावन का जिक्र आता है। यहां खेली जाने वाली फूलों की होली दुनिया भर में मशहूर है। इस जगह पर होली मनाने के लिए विदेशी पर्यटक भी दूर-दूर से आते हैं। यहां होली की शुरुआत 7 दिन पहले ही हो जाती है। यहां की लट्ठमार होली भी बहुत मशहूर है जिसमें महिलाएं लाठी लेकर पुरुषों पर बरसाती हैं जिसे वे एक ढाल से रोकते हैं।

मणिपुर की होली भी है खास

यह जगह जितनी खूबसूरत वादियों के लिए लोकप्रिय है, उतना ही खास यहां होली का त्योहार भी होता है। मणिपुर में होली उत्सव और योसंग त्योहार 6 दिनों तक चलता है जिसमें कई पर्यटक हर साल शामिल होते हैं। इस दौरान खाने-पीने के लिए कई तरह के स्थानीय स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ भी उठा सकते हैं।

होली के दिन जन्मे बच्चे, क्यों होते हैं खास और जोशीले व्यक्तित्व वाले?

होली का त्यौहार भारत में एक विशेष स्थान रखता है।

रंगों, मस्ती और खुशियों का यह पर्व न केवल एक सांस्कृतिक धरोहर है बल्कि यह हर व्यक्ति के जीवन में उमंग और उत्साह का संचार करता है। होली पर जन्मे बच्चों के व्यक्तित्व में भी कुछ खास बातें होती हैं जो उन्हें अन्य दिनों में जन्मे बच्चों से अलग और विशेष बनाती हैं। इस लेख में हम जानेंगे कि क्यों होली के दिन जन्मे बच्चे होते हैं खास और जोशीले व्यक्तित्व वाले।

रंगों की ऊर्जा और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण

होली का त्यौहार रंगों से भरा होता है और इन रंगों का एक गहरा प्रभाव किसी भी व्यक्ति के मानसिक और भावनात्मक स्वरूप पर पड़ता है।

जब बच्चे होली के दिन जन्म लेते हैं, तो उनके व्यक्तित्व में भी यह रंगीन ऊर्जा समाहित हो जाती है। ये बच्चे स्वाभाविक रूप से खुशमिजाज, उत्साही और जीवन को सकारात्मक दृष्टिकोण से देखने वाले होते हैं।

खुशमिजाज और जोशीले स्वभाव का असर

होलिका पर जन्मे बच्चे स्वाभाविक रूप से खुशमिजाज होते हैं। उन्हें जीवन में हर पल को आनंदित करने का एक अलग तरीका होता है। उनका स्वभाव जिंदादिल, चंचल और चुलबुला होता है। यह उनकी आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच का परिणाम होता है। वे हमेशा नई-नई चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहते हैं और अपने कार्यों में निरंतर उत्साह बनाए रखते हैं।

साहस और स्वाभिमान का प्रतीक

होलिका दहन के दिन लोग बुराई के विनाश और अच्छाई की जीत का उत्सव मनाते हैं। होली पर जन्मे बच्चे इसी भावना से ओतप्रोत होते हैं। वे जीवन में आने वाली कठिनाइयों और चुनौतियों से डरने के बजाय उनका सामना करने में साहस दिखाते हैं। इन बच्चों का आत्मविश्वास और स्वाभिमान काफ़ी मजबूत होता है, जो उन्हें हर समस्या का सामना करने में मदद करता है।

समाज में अच्छे रिश्तों की ओर अग्रसर होना

होली के दिन जन्मे बच्चों में सामाजिक संबंधों को महत्व देने की एक अद्भुत क्षमता होती है। वे अपने परिवार, दोस्तों और समाज में प्रेम और सौहार्द फैलाने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। इन बच्चों का स्वभाव दयालु, सहायक और मिलनसार होता है, जो उन्हें दूसरे लोगों से आसानी से जुड़ने में मदद करता है। वे हमेशा दूसरों की मदद करने और उन्हें खुश रखने के तरीके खोजते रहते हैं।

मुलायम दिल और संवेदनशीलता

होलिका के दिन जन्मे बच्चों का दिल भी उतना ही मुलायम होता है जितना कि यह त्यौहार होता है। वे न केवल अपने परिवार के प्रति संवेदनशील होते हैं बल्कि समाज के प्रति भी अपने कर्तव्यों को निभाने में पूरी तरह से संजीदा होते हैं। ये बच्चे जल्दी से किसी की मदद करने के लिए तैयार रहते हैं, और उनके दिल में दूसरों की पीड़ा और दु:ख के लिए हमेशा एक जगह होती है। यह संवेदनशीलता और दिल की मुलायमता उन्हें एक अच्छे इंसान बनाने में मदद करती है।

होली खेलने के बाद इन आसान टिप्स से करें घर की सफाई, नहीं रहेंगे कोई दाग-धब्बे

होली में रंग खेलने में तो आनंद आता है लेकिन इसके बाद रंग साफ करना किसी आफत से कम नहीं होता। चेहरे और कपड़ों पर लगे रंगों के दाग के अलावा होली के बाद घर की सफाई किसी चुनौती से कम नहीं होती। फर्श, दीवारें और फर्नीचर पर पड़े रंगों के दाग हटाना काफी मुश्किल हो सकता है। लेकिन कुछ आसान घरेलू उपायों से आप बिना ज्यादा मेहनत किए इन दागों से छुटकारा पा सकते हैं। इन आसान तरीकों से आप होली के बाद अपने घर को बिना ज्यादा मेहनत से चमका सकते हैं और रंगों के दाग से छुटकारा पा सकते हैं।

दीवार से रंग कैसे हटाएं

एक कटोरी में नींबू का रस निकालें और उसमें थोड़ा सा नमक मिलाएं। इसे रंग लगे हिस्से पर लगाकर हल्के हाथों से रगड़ें। नींबू के एसिडिक गुण और नमक का घर्षण रंग हटाने में मदद करेगा। सफेद दीवारों और संगमरमर के फर्श के लिए बेस्ट उपाय है।

टाइल्स और संगमरमर से रंग कैसे हटाएं

टाइल्स और संगमरमर पर लगे रंग को साफ करने के लिए एक बाल्टी पानी में सिरका, डिशवॉश लिक्विड और थोड़ा सा डिटर्जेंट मिलाएं। नरम ब्रश या कपड़े से फर्श और दीवारों को हल्के हाथों से रगड़ें। इससे टाइल्स और संगमरमर पर जमी गहरी रंगत आसानी से हट जाएगी।

लकड़ी के फर्नीचर से रंग कैसे हटाएं

थोड़ा सा जैतून का तेल या पेट्रोलियम जेली लें। इसे रंग लगे हिस्से पर लगाकर 5 मिनट तक छोड़ दें। फिर नरम सूखे कपड़े से पोंछ लें। इससे लकड़ी पर लगे रंग हट जाएंगे और चमक बनी रहेगी।

कालीन और पर्दों से रंग कैसे हटाएं?

एक कपड़े पर सिरका और हल्का गर्म पानी मिलाकर रंग लगे हिस्से पर थपथपाएं। फिर हल्के हाथ से ब्रश करें और गीले कपड़े से पोंछ दें। फैब्रिक क्लीनर स्प्रे भी मददगार साबित हो सकता है।

ठंडाई के बिना होली अधूरी, जानिए ठंडाई पीने के क्या फायदे हैं? इन बातों का भी रखिए ध्यान

होली रंगों और उत्साह का त्योहार है। लजीज पकवान, मिठाइयां इस त्योहार को काफी खास बना देते हैं। पर बिना ठंडाई के होली अधूरी है।

ठंडाई सिर्फ होली का एक पेयभर नहीं है, यह पोषक तत्वों से भरपूर होता है जिससे संपूर्ण स्वास्थ्य को लाभ मिलता है। जिन चीजों के संयोजन के साथ ठंडाई तैयार की जाती है उन्हें आयुर्वेद में कई प्रकार से लाभकारी माना जाता रहा है। ठंडाई अपने ठंडक देने वाले गुणों के लिए जानी जाती है, जो पित्त दोष को संतुलित करने में मदद करती है। शरीर में गर्मी को कम करने और मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाए रखने के लिए भी ठंडाई का सेवन काफी फायदेमंद हो सकता है। आइए जानते हैं कि होली में ये स्वास्थ्यवर्धक पेय कैसे बनाया जाता है और इससे सेहत को किस तरह से लाभ मिल सकता है?

ठंडाई में मौजूद चीजें बहुत लाभकारी

ठंडाई में कई प्रकार के स्वास्थ्यवर्धक चीजों का मिश्रण होता है।

बादाम, खसखस, खरबूज के बीज, सौंफ, काली मिर्च, इलायची, गुलाब की पंखुड़ियां, शहद, ठंडा दूध और केसर को इसके स्वास्थ्य लाभ के लिए जाना जाता है। इनमें से अधिकतर चीजों की प्रकृति शरीर को शीतलता देने वाली होती है। होली के समय में चूंकि हल्की गर्मी की शुरुआत हो जाती है ऐसे में ठंडाई से शरीर के तापमान को नियंत्रित रखने और गर्मी के कारण होने वाली समस्याओं से बचाव में मदद मिलती है।

आइए जानते हैं कि ठंडाई से क्या-क्या फायदे होते हैं?

ठंडाई के कई सारे फायदे

आयुर्वेद विशेषज्ञ बताते हैं कि 'ठंडाई' जिस तरह से नाम से ही स्पष्ट है कि ये शरीर को ठंडा करने में मददगार है, साथ ही इस मौसम में होने वाली पाचन की समस्याओं को भी कम करती है। सौंफ, काली मिर्च और बादाम पाचन क्रिया को तेज करते हैं। इनमें मौजूद फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट पेट की जलन और अपच को कम करने में मदद करते हैं।

ठंडाई में मौजूद तत्व शरीर से विषैले पदार्थ बाहर निकालने में सहायक होते हैं। खासकर खसखस और गुलाब जल लिवर को डिटॉक्स करने में मदद करते हैं।

इन फायदों को भी जानिए

- पाचन ठीक रखने और शरीर के तापमान को बढ़ने से रोकने के अलावा ठंडाई पीने के कई सारे फायदे हैं।
- बादाम, पिस्ता और खरबूज के बीज ठंडाई को ऊर्जावान बनाते हैं। इसके सेवन से थकान नहीं होती।
- ठंडाई में काली मिर्च, सौंफ और बादाम होते हैं, जिनमें एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-वायरल गुण होते हैं। ये शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं।
- बादाम और पिस्ता में मौजूद हेल्दी फैट्स और एंटीऑक्सीडेंट्स दिल को स्वस्थ रखते हैं और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करते हैं।
- गुलाब और खसखस में प्राकृतिक शीतलता होती है, जो दिमाग को शांत रखते हैं और तनाव व चिंता को कम करने में मदद करते हैं।

ज्यादा मात्रा में ठंडाई पीने के भी नुकसान

ठंडाई सिर्फ एक स्वादिष्ट पेय ही नहीं है, ये शरीर को ठंडक, ऊर्जा और पोषण देने वाला प्राकृतिक ड्रिंक है। हालांकि इसे सही मात्रा में पीने से ही शरीर को फायदे मिलते हैं। यदि आपको दूध से संबंधित उत्पादों से एलर्जी है तो ठंडाई में दूध होने के कारण इसे पीने से बचना चाहिए। ज्यादा मात्रा में ठंडाई पीने से चीनी के कारण शुगर लेवल बढ़ने का भी खतरा हो सकता है।

गर्भवती महिलाओं को ठंडाई के सेवन से पहले डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए, क्योंकि कुछ मसालों में ऐसे तत्व होते हैं जो हानिकारक हो सकते हैं।

पहले बुखार-गला दर्द फिर छालों से भर जाता मुंह, बच्चों में हो रही HFMD बीमारी

नवजात व छोटे बच्चे को अक्सर हाथ व उंगलियों को मुंह में डालने की आदत होती है और कुछ बच्चे तो पैर की उंगलियां भी मुंह में डालते या चूसते हैं, अक्सर पेरेंट्स बच्चे की इस आदत को नॉर्मल समझकर इग्नोर कर देते है लेकिन ये आदत बच्चे को कई तरह की इंफेक्शन कर सकती है और यह आदत, बच्चों में होने वाली HFMD बीमारी का कारण भी बन सकती है, जिसे हैंड-फुट और माउथ डिसीज कहा जाता है। यह एक तेजी से फैलने वाली इंफेक्शन है जिसके फैलने की संभावना, गर्मी और वर्षा के मौसम में अधिक रहती है। अचानक से शरीर पर लाल चकत्ते देखकर पेरेंट्स समझ नहीं पाते कि यह समस्या है क्या? चलिए इस संक्रामक बीमारी के बारे में आपको विस्तार से बताते हैं।

छोटे बच्चे होते हैं HFMD का शिकार, लेकिन हाथ, पैर और मुंह की बीमारी है क्या ?

वैसे ये इंफेक्शन किसी को भी हो सकती है लेकिन बड़ों की बजाए, ज्यादातर मामले छोटे बच्चों से ही जुड़े होते हैं। 10 साल से छोटे बच्चों को इसका खतरा सबसे अधिक रहता है। यह एक संक्रामक बीमारी है जो केवल मनुष्यों को ही हो सकती है। इसका नाम HFMD इसलिए पड़ा क्योंकि इस बीमारी मुंह में दर्दनाक फफोले और हाथ-पैरों पर चकत्ते होने लगते हैं। बच्चों के मुंह में दर्दनाक छाले और हाथों-पैरों पर त्वचा पर लालिमा (रैशेज) और छोटे-छोटे बारीक दाने नजर आते हैं।

इस वायरस को ठीक होने में एक हफ्ते का समय लग सकता है और यह स्वयं ठीक हो जाते हैं। ये कोई स्थायी असर या निशान नहीं छोड़ता लेकिन ये वायरस तेजी से फैलता जरूर है यानि एक बच्चे से दूसरे बच्चे को तेजी से हो सकता है। कुछ मामले अत्यधिक संक्रामक भी हो सकते हैं लेकिन ऐसा बहुत कम ही देखने को मिलता है। बहुत कम व दुर्लभ मामलों में, यह मेनिन्जाइटिस (मस्तिष्क में सूजन) जैसी गंभीर स्थिति पैदा कर सकती है। इस इंफेक्शन से बचने के लिए बच्चों को सही देखभाल और हाइजीन का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। प्रभावित बच्चे को पर्याप्त मात्रा में लिक्विड डाइट देने की जरूरत रहती है। HFMD का कोई विशिष्ट इलाज नहीं है क्योंकि इसके लक्षण आमतौर पर हल्के होते हैं और अपने आप ही सप्ताह भर में आराम मिलने लगता है लेकिन दर्द और बुखार को कम करने के लिए डॉक्टरी सलाह पर कुछ दवाइयां दी जा सकती हैं।

HFMD होने का पहला लक्षण बुखार और गला दर्द

1. **बुखार और गला दर्द:** HFMD का पहला लक्षण बुखार हो सकता है। इसके बाद बच्चे को गले में दर्द, सुस्त होना, भूख कम लगना और चिड़चिड़ापन महसूस हो सकता है।
2. **मुंह में चकत्ते और घाव :** 1-2 दिन के भीतर, मुंह के अंदर, जीभ और मसूड़ों पर लाल दाने या छोटे लाल धब्बे दिखाई देने लगते हैं जो बाद में छाले (फफोलों) में बदल जाते हैं। ये छाले खासतौर पर जीभ और मसूड़ों पर होते हैं, जिससे बच्चे को कुछ भी निगलने में तकलीफ होती है और वे ज्यादा लार बहाते हैं जो बच्चे एक से दो साल के होते हैं उनकी लार जयादा बहती है।
3. **त्वचा पर लाल चकत्ते (रेशेज):** मुंह के बाद हाथों की हथेलियों और पैरों के तलवों पर लाल चकत्ते दिखने लगते हैं जैसे छोटे-बारीक दाने हो। हालांकि कभी-कभी यह रैश, प्राइवेट एरिया, घुटनों या कोहनी पर भी हो सकते हैं
4. **खुजली और पपड़ी:** ज्यादातर मामलों में इन धब्बों पर खुजली नहीं होती होती लेकिन कुछ मामलों में खुजली भी हो सकती है। कुछ दिनों बाद, ये छाले सूखकर पपड़ी में बदल जाते हैं और रैश एक हफ्ते में ठीक हो जाता है। ये निशान नहीं छोड़ते और एक हफ्ते में ठीक हो जाते हैं।

HFMD वायरस इंफेक्शन होने के कारण

- HFMD एंटरोवायरस नामक वायरस के कारण होता है। यह एक से दूसरे व्यक्ति में फैलने वाला रोग है और बड़ों से ज्यादा यह बच्चों में होने की संभावना अधिक रहती है क्योंकि बच्चों की इम्यूनिटी कमजोर होती है।
- संक्रमित व्यक्ति के शरीर के तरल कण जैसे नाक व गले का बलगम, लार के संपर्क में आने से फैलता है। संक्रमित व्यक्ति के छींकने, खांसने या निकट संपर्क में आने से संक्रमण हो सकता है।
- यहां तक की वायरस संक्रमित व्यक्ति के मल में भी हो सकता है यानि यदि आप किसी बच्चे के डायपर बदलते हैं तो भी आप संक्रमित हो सकते हैं। इसके अलावा, यह वायरस दूषित खिलौने, दरवाजे के हैंडल, बर्तन या अन्य वस्तुओं को छूने से भी वायरस फैल सकता है।

किन बच्चों पर इस वायरल इंफैक्शन का खतरा ज्यादा

- जिन बच्चों के मुंह में अधिक दर्द होती है या मुंह के आस-पास अधिक फफोले और पपड़ी हो जाए और बच्चा खाना-पीना बंद कर दें और किसी भी तरह का कोई लिक्विड आहार ना ले तो उसे निर्जलीकरण (डिहाइड्रेशन) से बचाने के लिए डॉक्टर से संपर्क करना आवश्यक है क्योंकि ये इंफेक्शन उनके लिए खतरनाक हो सकती है।
- बहुत कम मामलों में, यह मस्तिष्क संक्रमण (मेनिन्जाइटिस), लकवा या दिल व लंग्स (फेफड़े व हृदय की समस्याएं) की समस्याए पैदा करता है लेकिन अगर ऐसा कोई लक्षण बच्चे में दिखे तो जांच व सलाह जरूरी है।
- गर्भवती महिलाओं में HFMD आमतौर पर गंभीर नहीं होता लेकिन नवजात शिशुओं में कुछ मामले सीरियस हो सकते हैं।

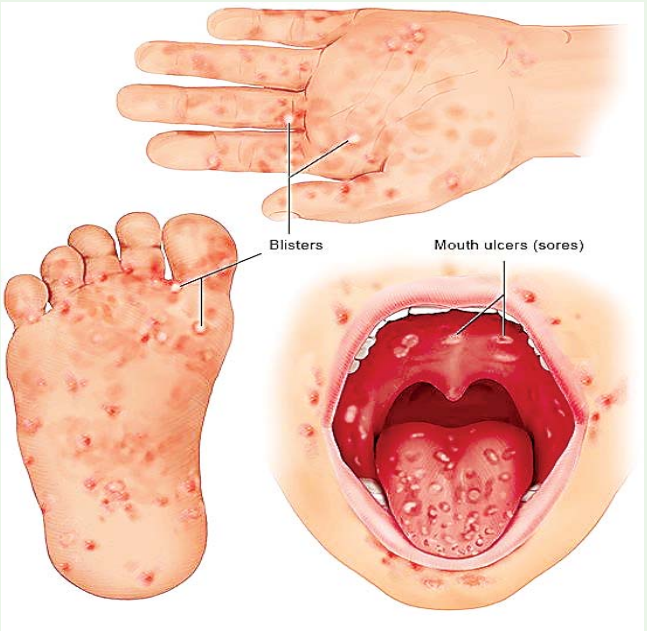

HFMD का इलाज (Diagnosis)

HFMD का कोई विशिष्ट इलाज उपलब्ध नहीं है और ना ही कोई टीका। आमतौर पर इसके लक्षणों और चकत्तों के आधार पर ही डॉक्टर दवाई दे सकता है। कुछ मामलों में, संक्रमित व्यक्ति के गले के स्वैब, मल या फफोलों की जांच की जा सकती है।

दर्द और बुखार का उपचार- इसमें बुखार और गले में दर्द आता है तो पेरासिटामोल जैसी दवाएं लक्षणों को कम करने में सहायक हो सकती हैं। बच्चों को एस्पिरिन नहीं देनी चाहिए, क्योंकि यह रेयेस सिंड्रोम नामक समस्या होने का खतरा बना रहता है। इसी के साथ कोई भी दवा बच्चे को डॉक्टर से पूछे बिना ना दें।

हाइड्रेशन : माता-पिता बच्चे को पर्याप्त तरल पदार्थ देते रहे ताकि वह हाइड्रेट रहे। ज्यादातर मामलों में बच्चे घर पर पेरेंट्स केयर में कुछ सावधानियां बरत ठीक हो जाते हैं।

HFMD से बचाव कैसे रखें?

HFMD के लक्षण दिखें तो बच्चों को तब तक घर पर रखना चाहिए जब तक कि उनके फफोले सूख न जाएं। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि बच्चा बार-बार फफोलों पर हाथ ना लगाए और मुंह में उंगलियां ना डालें। अच्छे से हाथ धोने की आदत इंफेक्शन से काफी बचाव करती है। संक्रमित व्यक्ति को अपने चेहरे को छूने से बचना चाहिए। बार-बार हाथ जरूर धोएं।

इंफेक्शन से बचाव के लिए बच्चे के हाथ बार-बार धुलाने जरूरी है। बच्चा छोटा है और स्कूल जाता है तो स्कूल एंट्री लेते समय, सबसे पहले बच्चे के हैंडवॉश करवाना जरूरी है। खाना खाने से पहले भी हैंडवॉश करवाना जरूरी है। स्कूल स्टाफ का इस प्रति सजग होना जरूरी है कि बच्चों की स्वच्छता का ध्यान रखा जाए। अगर बच्चे में रेशेज, कोल्ड-कफ और बुखार जैसे लक्षण दिख रहे हैं तो पेरेंट्स और डॉक्टर से संपर्क किया जाए, बच्चा घर पर पेरेंट्स की निगरानी में रहे और आराम करें। ऐसी स्थिति में उसे दूसरे बच्चों के संपर्क में आने से बचाव करें क्योंकि यह एक से दूसरे व्यक्ति में फैलने वाली वायरल बीमारी है। जब फफोले पूरी तरह सूख जाए तभी बच्चे को दोबारा स्कूल में भेजें ताकि दूसरे बच्चों को संक्रमण से बचाया जा सके। अगर बच्चे को हाथ और उंगलियां मुंह में डालने की आदत है तो उन्हें ऐसी एक्टिविटी में बिजी करें जिसमें हाथ व उंगलियों का इस्तेमाल हो जैसे कलरिंग-ड्राइंग या पजल व कोई अन्य गेम। ऐसा करने से बच्चे की मुंह में हाथ डालने की आदत भी छूटेगी और कई तरह के इंफेक्शन से बचाव होगा। पेरेंट्स घर पर बच्चे के रेगुलर इस्तेमाल किए जाने वाले खिलौने व सामान की साफ-सफाई बनाए रखें। बच्चे के कपड़े साफ-सुथरे और पूरी तरह सुखाए हो। बच्चे को छूने से पहले खुद के हाथ-पैर और मुंह भी धोएं व साफ-सफाई का ख्याल रखें। घर में कोई संक्रमित व्यक्ति है तो उससे बच्चे को दूर रखें। बच्चे की इम्यूनिटी कमजोर होती है इसलिए वह जल्दी संक्रमित हो जाते हैं।

डॉक्टर से कब संपर्क करें?

- अगर कंडीशन ज्यादा सीरियस लग रही है या बच्चा 6 महीने से छोटा हो। बच्चे को मुंह में दर्द ज्यादा हो या बच्चा कुछ भी खा पी ना रहा हो खासकर लिक्विड डाइट ना ले रहा है और चेहरे पर डिहाइड्रेटेड दिख रहा हो जैसे सुस्त, आंखें धंसी हुई, मुंह में सुखापन दिखे।
- बच्चे को तीन दिनों से ज्यादा समय से बुखार बना रहे या बच्चे की इम्यूनिटी बहुत कमजोर हो।
- अगर बच्चे को सिरदर्द, मिर्गी, गर्दन में अकड़न, सुस्ती या बेहोशी जैसे लक्षण दिख रहे हो तो भी डॉक्टरी सलाह अति आवश्यक है।
- अगर 10 दिनों के बाद भी लक्षण ठीक न हुए हो तो चेकअप जरूरी है। डॉक्टर इसके लिए लोशन-स्किन केयर ट्यूब और कुछ दवाइयां आदि दे सकते हैं।